श्री सदाशिव बागाईतकर: लेकिन सवाल यह है कि जो स्थिति बम्बई में हड़ताल को लेकर बनी है . . .

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Bagaitkar, before you proceed, I would like to call Dr. Najma Heptulla here and I hope you will all give her co-operation.

[The Vice-Chairman, Dr. (Shrimati) Najma Heptulla, in the Chair]

FELICITATIONS TO THE VICE-CHAIRMAN, DR. (SMT.) NAJMA HEPTULLA

SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE (Maharashtra): May gallantry not be forgotten in this House...

SHRI SADASHIV BAGAITKAR (Maharashtra): I am on my legs. I should first congratulate you on behalf of all of them.

SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE: I have proved my gallantry, Madam Vice-Chairman, because he was already on his legs but I got up when you took the Chair.

SHRI SADASHIV BAGAITKAR: That does not give you the right.

SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE: So it is a matter of great pleasure and greater pride that I first, on behalf of all my esteemed colleagues in this House and on behalf of myself, congratulate you and welcome you in your new position. You are an exception because...

श्री बुद्धप्रिय मौर्य (आन्ध्र प्रदेश) : मैडम वाइस चैयरमैन, मैं भी मक्खन लाया हूं . . . **(व्यवधान)**

SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE: In fact, I saw in the Central Hall many Members buying butter and I was told that it was meant for a special occasion today. I am quite sure that you will meet the aspirations and urges of the Members by giving them a couple of minutes extra whenever you are in the Chair. I wish you a very very distinguished career in your new office.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. (SHRIMATI) NAJMA HEPTULLA): Thank you very much. भण्डारकर जी, जरा सुनिये । वह बटर की बात बोले हैं । I wanted to mention that उसके साथ अगर ब्रैड भी लायेंगे तो we all can eat it.

SHRIMATI MONIKA DAS (Karnataka): On behalf of the whole House I must congratulate my colleague. She is not only my colleague but she is my classmate, bench-mate and my best friend. We are so happy that at least one woman is a Vice-Chairman. We hope she succeeds in her new assignment.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. (SHRIMATI) NAJMA HEPTULLA): Thank you very much.

श्री सुन्दर सिंह भंडारी (उत्तर प्रदेश) : उपसभाध्यक्ष जी, सदन की तरफ से दो सदस्यों ने अपनी अपनी बात कही है । मुझे केवल एक सफाई देनी है कि यह मतलब नहीं समझा जाना चाहिए कि केवल कांग्रेस पार्टी ही आप के पैनल आफ चेयरमैन में आने से प्रसन्न है । मैं ऐसा समझता हूं कि आप का स्वागत कांग्रेस के मेम्बर के नाते नहीं पैनल आफ चेयरमैन के सदस्य के रूप में हम सब करते हैं और मैं भी अपनी पार्टी की तरफ से करता हूं । मुझे सब अपोजिशन पार्टीज की तरफ से बोलने का हक नहीं है, जैसा कि कुछ सदस्यों ने यह अधिकार लिया है । मुझे विश्वास है कि इस कुर्सी पर बैठकर इस कुर्सी के अनुरूप ही आपका व्यवहार होगा । धन्यवाद ।

श्री लाडली मोहन निगम (मध्य प्रदेश): मोहतरमा, आज हम सब के लिये बड़ी खुशी का बायस है कि आज आप इस कुर्सी पर पीठासीन हुई। इस कुर्सी की परम्परा है और इस परम्परा की एक गाथा है उसमें आप कुछ नया जोड़ेंगी इसी उम्मीद और विश्वास के साथ मैं आपका अहतराम करता हूं। बल्कि हमारी तो आकांक्षा यह है कि आप खाली सूची में न रहे बल्कि मुकम्मल तौर पर आने वाले सत्र के बाद आप उपसभापति हो जाएं तो वह हमारे लिए बहुत ही खुशी का बायस होगा और उसी दिन को इंतिजार में ... (**व्यवधान**) आज अपनी शुभ कामनाएं देता मुबारकबाद आपकी अकीदत में पेश करता हूं। इसी उम्मीद के साथ हम चाहते हैं कि आप कुछ नया बनाएं ताकि सदन की गरिमा में चार चांद लग जाएं।

श्री शिव चन्द्र झा (बिहार): महोदया, मैं अपनी तरफ से और अपने दल की तरफ से आपका इस्तिकबाल करता हूं। हम को खुशी है कि आप वहां पर विराजमान हो गई। सदन की सदस्या के रूप में आप सदन की कार्रवाई को देखती रही हैं कि किस तरह से नये सदस्य काम करना चाहते हैं, एक्टिव होना चाहते हैं उनको कुर्सी से जूझना पड़ता है। एक तरह की कन्फ्रन्ट्रेशन की उपस्थिति पैदा हो जाती है। हमें उम्मीद है कि आप ऐसी परम्परा चलाएंगी जिससे ज्यादा से ज्यादा सदस्यों द्वारा पार्टिसिपेशन हो सके ज्यादा से ज्यादा सदस्य बोल सकें यह परम्परा आप अपनायेंगी। यह सदन सिर्फ कानून बनाने का सदन नहीं है बल्कि हाईएस्ट इंटेलेक्चुअल फोरम आफ द कंट्री है। इस मंजिल की ओर आप इसको ले जाएंगी इन शब्दों के साथ मैं आप का इस्तिकबाल करता हूं, स्वागत करता हूं। आपको सभी का सहयोग मिलेगा, इस की भी मैं उम्मीद करता हूं।

SHRI AMARPROSAD CHAKRABORTY (West Bengal): On behalf of my party I extend to you a word of welcome and hope you would conduct the House in a proper way and give us all your cooperation and make the proceedings of the House more lively and maintain the dignity of the House.

SHRI DIPEN GHOSH (West Bengal): I join my colleagues in offering felicitations to you and I congratulate you on being elected to the panel of Vice-Chairmen of the House. I assure of my party's cooperation as long as you will be upholding the impartiality of the Chair you will be holding.

SHRIMATI USHA MALHOTRA (Himachal Pradesh): Madam Vice-Chairman, I extend to you my heartiest congratulations on behalf of my colleagues, across the floor as well, and, of course, as a lady Member. We are really proud that you have been able to take the onerous duties upon your shoulders and I wish you all the best in the coming years.

श्री लाडली मोहन निगम: यह भी कह दीजिए कि बीच में टोकेंगी नहीं।

SHRIMATI AMARJIT KAUR (Punjab): Madam Vice-Chairman, I am very happy that one of our lady Members is going to conduct the House and it is a wonderful change. I am sure you will be able to conduct the House better and you will bring life in place of dullness in the House. The moment you occupy the Chair, the dullness should disappear. I wish you all the best, all the luck.

उपसभाध्यक्ष [डा० (श्रीमती) नाजमा हेपतुल्ला]: आप लोगों ने मेरे प्रति जो शुभकामनाएं जाहिर की हैं उनके लिए आप लोगों का बहुत शुक्रिया। आपकी यह शुभकामनाएं तभी सफल हो सकती हैं जब आप लोगों का मुझे सहयोग मिले और जैसा हमारे भाई झा साहब ने कहा कि यहां कंफ्रन्टेशन होता है, लेकिन मुझे नहीं लगता है कि चेयर के साथ कोई कंफ्रन्टे-

शन की जगह है। यह कंफन्टेशन की जगह नहीं है। यह तो कंफन्टेशन खत्म करने के लिए बनाया गया है या आपस में कोई मतभेद हो तो उसको दूर करने के लिए बनाया गया है। मुझे उम्मीद है कि आप लोग हर तरीके से सहयोग करेंगे।

जहां तक मेरे काम करने का तरीका है, मैं तो यही चाहूंगी कि आप जितना बोल सकें, जरूर बोलें। मैं उसमें कुछ नहीं कहना चाहती हूं। मगर झा साहब आप तो काफी बोलते हैं। लेकिन अगर आप यह बात दूसरे मेम्बरों के लिए कह रहे हैं कि उनको बोलने के लिए वक्त नहीं मिलता है तो आपको अपने वक्त में कटौती करनी पड़ेगी। यहां पर जो कोई भी अब तक बठते रहे हैं, वे बहुत अच्छी तरह से काम करते रहे हैं, करते हैं और आगे भी करते रहेंगे। आपने जिन उम्मीदों के साथ मुझे वाबस्ता किया है, मैं उम्मीद करती हूं कि मैं आप की दुआओं से उनको पूरा कर सकूंगी। धन्यवाद।

CALLING ATTENTION TO A MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

Serious situation arising out of prolonged strike of workers in textile mills in Bombay—contd.

श्री सदाशिव बागाईतकर : मैं यह कह रहा था कि मंत्री जी ने कहा, जो जवाब दिया है उसमें उन्होंने दो चीजें कहीं हैं। एक तो उन्होंने यह कहा कि जब तक हड़ताल समाप्त नहीं होती है तब तक कोई बातचीत नहीं हो सकती है। मुझे लगता है कि यह सरकार का रुख ठीक नहीं है और इस प्रकार से समस्याओं का समाधान नहीं हो सकता है। आखिरकार आप जानते हैं कि जब लड़ाई चलती है तो उसके साथ बहुत सी चीजें और भी चलती हैं। अगर मजदूर हड़ताल पर चले जाते हैं तो क्या उन्होंने कोई बहुत बड़ा गुनाह कर दिया है अगर गुनाह मानकर सरकार चलेगी तो गलत निर्णय पर पहुंचेगी। बम्बई में जो बोम्बे इंडस्ट्रियल रिलेशन एक्ट है वह श्री नन्दा जी के जमाने से चल रहा है। इसमें क्या खामियां हैं, इस बारे में अनेक बार कहा गया है। मुझे लगता है कि अभी जो हड़ताल चल रही है वह इस बात का सबूत है कि बाम्बे इंडस्ट्रियल रिलेशन एक्ट में खामियां हैं और उसके रहते इसमें कोई कामयाबी नहीं मिल सकती है। उसमें सोल बारगेनिंग एजेन्ट किसी एक यूनियन को बनाया गया है, इंटक को या अन्य किसी को मैं उसमें नहीं जाना चाहता हूं, लेकिन मैं यह कहना चाहता हूं कि इस तरह से सोल बारगेनिंग एजेन्ट के माध्यम से यह हड़ताल खत्म नहीं हो सकती है। सबसे बड़ी दुविधा यह है कि जिनको सोल बारगेनिंग एजेन्ट बनाया गया है उनमें इतनी क्षमता नहीं है कि वे मजदूरों का विश्वास प्राप्त कर सकें। मजदूर उनके साथ नहीं है। इसलिए उनके कहने के बावजूद मजदूर हड़ताल पर गये हैं। मैं श्री दत्ता सामन्त के तरीके से सहमत नहीं हूं। वहां पर क्या स्थिति है, उसका जिक्र अभी श्री शांति पटेल जी ने किया है। टेक्सटाइल मजदूरों को पूरा वेतन नहीं मिलता है। तीस साल से एक मजदूर काम कर रहा है लेकिन वह उसी रूप में अपने घर जा रहा है। उसको कुछ नहीं मिलता है। तनख्वाह 30 रुपये और उसका डी०ए० 400 रुपये, इससे उसको कोई फायदा नहीं होता है। रेशनल वेज स्ट्रक्चर जो है वह कामयाब नहीं हो रहा है, इस पर आप सोचिए। आपने अपने बयान में कहा कि महाराष्ट्र सरकार ड्यू प्रापर अथारिटी है और इसलिए यह झगड़ा आप चलने दे रहे हैं। आप चलाइये। हम इस बात को मानते हैं कि 70—80 लाख की आबादी का 60वां हिस्सा आज इस तरह की भयानक स्थिति में है और आप कानून की दुहाई देकर इस चीज को चलने देना चाहते-